



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

# पायनियर

www.dailypioneer.com



टी20 लीगों की बढ़ती  
संख्या के बीच फुटबॉल  
की राह पर क्रिकेट  
स्पोर्ट्स-12

## विस्फोट में पांच जवान शहीद

आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान आतंकियों ने छिपकर किया हमला

- राजौरी क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित
- आतंकियों की धूपकड़ तेज

पायनियर समाचार सेवा। जम्मू/राजौरी

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में कांडी वन क्षेत्र में शुक्रवार को आतंकवादियों द्वारा किए गए विस्फोट में सेना-सेवकों शहीद हो गए और मेजर और एक अधिकारी घायल हो गए। पिछले महीने पुंछ के खाता धूपकड़ में सेना के ट्रक पर घात लगाकर किए गए हमले में सामिल आतंकवादियों के एक समूह की उपस्थिति के बारे में जानकारी मिलने के बाद आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया गया था।

इसी दौरान छिपकर बैठे आतंकियों ने विस्फोट कर दिया। पिछले महीने हुए हमले में भी पांच सेना-सेवकों शहीद हो गए थे। आतंकवाद रेखी अभियान जारी होने के चलते राजौरी क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट निलंबित कर दी गई है। शुक्रवार के हमले से पहले पुंछ और राजौरी के दो सीमावर्ती जिलों में अक्टूबर 2021 के बाद से सात बड़ी आतंकवादी घटाए हो चुकी हैं, जिनमें 22 सेना-सेवकों की उपस्थिति 29 लोगों की पौत्र हुई है। सेना



की उत्तरी कमान की ओर से जारी एक विदेश मंत्री ने बोला कि उक्ते जवान पिछले महीने जम्मू क्षेत्र के भारा धूपकड़ के तीतों गती इलाके में सेना के ट्रक पर घात लगाकर हमला करने वाले राजौरी क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट निलंबित कर दी गई है। शुक्रवार के हमले से पहले पुंछ और राजौरी के दो सीमावर्ती जिलों में अक्टूबर 2021 के बाद से सात बड़ी आतंकवादी घटाए हो चुकी हैं, जिनमें 22 सेना-सेवकों की उपस्थिति 29 लोगों की पौत्र हुई है। सेना

## आतंकी प्रवृत्ति के साथ खड़ी है कांग्रेसः मोदी

- कर्नाटक में प्रधानमंत्री ने द केरल स्टोरी फिल्म का उल्लेख कर विपक्ष पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। बेल्लारी



### पीएम 14 जुलाई को पेरिस में बेस्टाइल डे परेड में शामिल होंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर 14 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रेस्य में होने वाली बेस्टाइल डे परेड में विशेष अविधि के रूप में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने एक विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवादियों के एक समूह को घेर लिया। चर्चानों और खड़े वर्तीय क्षेत्रों से विरासी इस इलाके में घने जगल हैं। बवाना के अनुसार, जब जवान आतंकियों की घेरबंदी करते हुए आगे बढ़ रहे थे, इसी दौरान आतंकवादियों ने विस्फोट कर दिया। सुधर में पहले विशेष बल से संवर्धित सेना के दो जवानों के शहीद होने और मेजर सहित चार सेना-कमानों घायल होने की खबर आई। बाद में उधमपुर के एक अस्पताल में तीन सेना-कर्मियों को मौत हो गई है। सेना के बायन में घायल होने की खबर आई। बाद में उधमपुर के एक अस्पताल में तीन सेना-कर्मियों को मौत हो गई है। बायन में घायल होने की खबर आई। जब जवान आतंकियों के एक समूह को घेर लिया। उन्होंने वाली भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बायन में घायल होने की खबर आई। और अधिकारी होने की संभावना है। और उत्तराखण्ड के गैररेंज के लास नाथकर रुचिन सिंह रावत, परिषम बंगल के लार्जिंग के पेट्रोप्यास सिद्धांत छोड़ी, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के नायक अरविंद सेना के आधार पर तीन मई को संयुक्त

प्राथमिकताओं में मानवीय सहायता को प्रधानमंत्री करने वाली भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बायन में घायल होने की खबर आई। उन्होंने वाली भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बायन में घायल होने की खबर आई। और अधिकारी होने की संभावना है। और उत्तराखण्ड के गैररेंज के लास नाथकर रुचिन सिंह रावत, परिषम बंगल के लार्जिंग के पेट्रोप्यास सिद्धांत छोड़ी, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के नायक अरविंद सेना के आधार पर तीन मई को संयुक्त

(शेष पेज 9)

प्राथमिकताओं में मानवीय सहायता को प्रधानमंत्री करने वाली भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बायन में घायल होने की खबर आई। उन्होंने वाली भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बायन में घायल होने की खबर आई। और अधिकारी होने की संभावना है। और उत्तराखण्ड के गैररेंज के लास नाथकर रुचिन सिंह रावत, परिषम बंगल के लार्जिंग के पेट्रोप्यास सिद्धांत छोड़ी, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के नायक अरविंद सेना के आधार पर तीन मई को संयुक्त

(शेष पेज 9)

## आतंकवाद पर पाकिस्तान को भारत की खटी-खटी

पायनियर समाचार सेवा। बेनैलिम (गोवा)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को बिलावल भुट्टो-जरदारी की मौजूदगी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में दो टक कहा कि विदेश किसी भेदभाव के आतंकवाद के सभी स्वरूपों और इसके विवायोपाय को रोकना चाहिए। यहाँ नहीं, पाकिस्तान के लिए नुकसानदेह होगा। हमारा दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता है। सीमापार आतंकवाद समेत इसके सभी स्वरूपों और एक प्रवक्ता करना दिया।

गोवा के बीच रिसॉर्ट में चीन के विदेश मंत्री छिंग और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावसेव तथा एससीओ के अन्य दोसों के उनके समकक्षों की बैठक हुई। सम्मेलन की शामिल है। अकानानितान पर उन्होंने कहा कि उस देश में उभरती रिक्षित पर हमारा ध्यान बना हुआ है। सीमापार आतंकवाद समेत इसके सभी स्वरूपों का खाला किया जाना चाहिए।

सरस्वती को यह याद दिलावन की

जरूरत नहीं है कि खेर से मुकाबला करना

करना एससीओ के अन्य दोसों के लिए नुकसानदेह होगा। हमारा दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता है। सीमापार आतंकवाद के लिए खतरा बाबा हुआ है। इससे निपटने के लिए खतरा बाबा हुआ है। इससे एकत्रफा और अवैध कदम एससीओ के उद्देश्यों के विपरीत है।

उन्होंने कहा कि हमारे लोगों की सामूहिक चुनौतियों से विश्विक विश्वास करना चाहिए।

अकानानितान की बैठक में उभरती

रिक्षित पर हमारा ध्यान बना हुआ है।

हमारे प्रयास अफगान जनता के

कोलांगण के लिए खतरा बाबा हुआ है।

एकत्रफा के लिए खतरा बाबा हुआ है।

एक









# मणिपुर में हिंसा पहचान की राजनीति

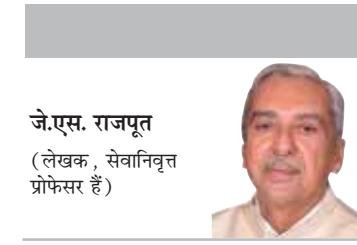
मणिपुर में अप्रत्याशित व भयानक हिंसा के कारण सेना को हिंसा-प्रभावित क्षेत्रों में फैलौंगा मार्च करना पड़ा है। यह आरक्षण की मांगों से जुड़ी 'पहचान की राजनीति' का एक और दुःखद परिणाम है। सामाजिक न्याय विचारधारा अपरिहार्य रूप से अतार्किक मांगों व मणिपुर जैसी स्थितियों तक जन्म देती है। अधिकारियों की प्रतिक्रिया ऐसे मामलों में परंपरागत कर्तव्य की तरह है। मणिपुर के आठ जिलों में कर्पूर लगाया गया है, राज्य मोबाइल इंटरनेट सेवा स्थगित कर दी गई है तथा सेना व अर्धसैनिक बलों को स्थिति पर नियंत्रण के लिए बुलाया गया है। प्रख्यात मुक्केबाज मैंने कॉम ने इस घटना से आहत होकर सोशल मीडिया पर अपने राज्य में शांत बनाए रखने की भावानात्मक अपील की है। यह टकराव थम सकता लेकिन इसका कारण बनी भड़काऊ सामग्री रातोंरात गायब नहीं हो जाएगा। यह सामग्री एक खतरनाक विचारधारा-'सामाजिक न्याय की विचारधारा' से पैदा भ्रम से उभरी है। मणिपुर में बहुसंख्यक मैती पिछले 10 साल अपना नाम अनुसूचित जनजातियों-एसटी की सूची में शामिल करने वाला मांग कर रहे थे, पर सरकार यह मांग पूरी करने में सक्षम नहीं थी। लोकों में बहुत स्वाभाविक रूप से हर समूह को अपना दृष्टिकोण और मांगें रखने का अधिकार है, लेकिन समस्या तब होती है जब जब एक समुदाय व आरक्षण किसी दूसरे समुदाय की कीमत पर दिया जाता है। कुछ समुदाय पहले राजस्थान में भी ऐसी ही स्थिति पैदा हुई थी, जब जुर्जरों ने आरक्षण की मांग की थी और मीणा इसका विरोध कर रहे थे। उनको लगता था कि



विचार की संस्तुति करने का निर्देश दिया

आशर्चय नहीं कि आदिवासी छात्र यूनियनें इस घटनाक्रम से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि मैतियों को अनुसूचित जनजाति-एस्टी का दर्जा प्रदान करना आदिवासियों को आरक्षण की भावना के विपरीत है। इससे राज्य और केन्द्र सरकार के सम्मने कठिन स्थिति पैदा हो गई है। यदि वे एस्टी दर्जे की मैतियों की मांग मान लेते हैं तो आदिवासी गुस्सा हो जाएगा, लेकिन यदि वे इसे नहीं मानते हैं तो राज्य में बहुसंख्यक समुदाय का समर्थन खो देंगे। इस मुद्दे ने भावनाओं को भड़का दिया है। मणिपुर के विभिन्न भागों सांप्रदायिक टकराव की खबरें आई हैं। मंगलवार को आल ट्राइबल स्टूडेंड्स यूनियन मणिपुर-एटसम द्वारा आयोजित बड़ी रैली हिसक हो गई। एवं अधिकारी ने पीटीआई को बताया, ‘अब तक 4,000 से अधिक लोगों ने हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से निकाला गया है, उनको शरण दी गई है तथा और अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है।’ केन्द्रीय गृह मंत्री अग्रिम शाह ने मुख्यमंत्री से बात कर स्थिति का आंकलन किया है। इस समस्या का राजनेताओं, समुदायों के नेताओं तथा अन्य लोगों को एकसाथ है। करने कर एसा रास्ता निकालना चाहिए जिससे तार्किक व शांतिपूर्ण ढंग से मामला का निपटारा हो सके। इसके लिए लेन-देन की लोकतांत्रिक परंपरा न पालन करना होगा। भड़काऊ भाषण देने, नए नारे गढ़ने तथा अतार्किक मारने से सबको नुकसान होगा तथा सामान्य स्थिति बहाल नहीं होगी। राज्य में विकास के लिए सामान्य स्थिति बहाल होनी जरूरी है, हालांकि केवल इतना ही काफी नहीं है। केवल तेज व व्यापक विकास के परिणामस्वरूप ही सबको खुश रखना संभव होगा।

रवीन्द्रनाथ टैगोर के शिक्षा दर्शन को आधुनिक शिक्षा नीति निर्माताओं ने स्वीकार किया है। इससे बच्चों को आनन्द व प्रसन्नता मिलती है।



रुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर का भारत  
के अधिकांश बुद्धिजीव  
अत्यधिक सम्मान करते हैं। उनका  
राष्ट्रगान के रचयिता तथा 1913 में  
'गीतांजलि' में कविताओं के लिए नोबेल  
पुरस्कार विजेता के रूप में जाना जाता है। इस तथ्य से उनका सम्मान और बढ़ जाता है कि वे बांग्लादेश के राष्ट्रगान के भूतपूर्वक रचयिता हैं। श्रीलंका का राष्ट्रगान भी शार्पिं  
निकेतन में उनके शिष्य आनन्द समराकू  
द्वारा रचित है। यह शब्दों, संगीत व विचार  
पर टैगोर के प्रभाव का स्पष्ट संकेत है जो उनके नोबेल पुरस्कार मिला, बल्कि संगीतीय चित्रकला, शिक्षा, सामाजिक सुधार  
स्वतंत्रता संग्राम में भी उनका योगदान  
सर्वोच्च स्तर का है। बीसवीं शताब्दी वेस्ट  
प्रारम्भ में उन्होंने अपनी दूरदर्शिता व  
अनुमान लगा लिया था कि औद्योगीकरण  
की वृद्धि से मनुष्य के प्रकृति से संबंधित  
अत्यधिक असंतुलित हो जाएंगे। उन्होंने  
कहा था कि आधुनिकीकरण 'सैन्यवाद  
को जन्म देगा जो मानवजाति को युद्धों में  
हिंसा में धकेल देगा। चारों ओर फैली  
हिंसा तथा हृदयहीन टकराव राष्ट्रीय  
सीमाओं के पास चले जाएंगे। प्रथम  
विश्वयुद्ध के दिनों से ही ऐसी स्थिरा  
बनने के संकेत मिलने लगे थे। द्वितीय  
विश्वयुद्ध के बाद पूरी मानवजाति व  
ध्यान इस ओर आकृष्ट हुआ, लेकिन आज  
सबको स्पष्ट है कि इस समस्या की

समुचित व आवश्यकतानुसार ध्यान नहि  
दिया गया।

टैगोर के विचारों, दृष्टिकोण व दर्शन  
पर ध्यान देने से स्पष्ट हो जाता है कि  
उन्होंने बाहरी जीवन तथा आंतरिक जीवन  
व आध्यात्मिक आयामों पर कितनी गहराई  
से विचार किया था। यह शिक्षा की  
कविताओं, चित्रकला तथा गीतों वै  
माध्यम से उनकी अभिव्यक्तियों एवं  
उनके द्वारा सृजित महान संस्थान 'शांति  
निकेतन' से स्पष्ट है। उनको पश्चिम  
बढ़ रहे भौतिकवाद से बहुत चिन्ता ४  
और उनके विचार से यह 'विनाश के रास  
नी भोग नहीं है' अपनी स्थिति

A black and white photograph of Rabindranath Tagore, an elderly man with a long white beard, sitting cross-legged and reading from an open book. He is wearing a dark shawl over a light-colored garment. To his left, a woman in a white sari stands looking down at him. Behind him, another woman in a white sari stands with her hands clasped. Several other people are seated around him, some looking on attentively. The setting appears to be indoors, with a window visible in the background.

हैं कि वे कितने दूरदर्शी थे। आज मानवता प्रदूषण, चेयजल संकट, पिघलते ग्लोशियरों, निर्वनीकरण, सूखती नदियों तथा अनेकानेक अन्य समस्याओं से ग्रस्त हैं। टैगोर का विश्वास था कि केवल विचारशील, स्वतंत्र व रचनाशील मस्तिष्क ही मनुष्य व प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। यही हमारे पृथ्वी प्रह को बचाए रखने का एकमात्र मंत्र है। शार्ति निकेतन के पूर्व छात्र देवीप्रसाद ने लिखा है, 'रवीन्द्रनाथ के शैक्षिक दर्शन का उद्देश्य सामाजिक व प्राकृतिक परिवेश में सामंजस्य बनाए रखना है ताकि सबको अपने जीवन की शुरुआत से ही अपनी सभी रचनात्मक क्षमताओं के विकास का अवसर मिले।

उनकी योजना शिक्षा को ऐसा माध्यम बनाना था जिससे बच्चे के मन और शरीर का विकास प्रकृति की संगति में हो सके।' उन्होंने सभी लोगों के सामने स्पष्ट किया कि अपने कर्मे और कुर्सी तक घंटों तक सीमित रहने वाले तथा खुली हवा में पेड़ों, पौधों, झाड़ियों, चिड़ियों तथा पालतू जानवरों के आसपास दौड़ लगाने वाले बच्चों के विकास में कितना अंतर होता है। वहां वे बचपन का आनन्द तथा अपने अस्तित्व की प्रसन्नता का अनुभव करते हैं तथा स्वयं सीखते हैं। बच्चों को प्रकृति से दूर रखने का अर्थ \_\_\_\_\_ ते \_\_\_\_\_ ते \_\_\_\_\_ ते \_\_\_\_\_ ते \_\_\_\_\_

ति संवेदना से वंचित रखना है। इसके परिणामस्वरूप अपरिहार्य रूप से मविश्वास, लालच, अनावश्यक संग्रह की वृद्धि पैदा होती है तथा प्रकृति के प्रति जम्मेदारी नहीं विकसित होती है।

रचनात्मकता वास्तव में ईश्वरीय गुण तथा धरती के हर मनुष्य को बिना सी भेदभाव के ये सभी प्रचुर मात्रा में नहीं हैं। इनको बिना किसी बाधा के नने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए। केन आधुनिक शिक्षा व्यवस्था ठीक का उल्टा करती है। रचनात्मक भावना विकास हेतु पहली शर्त अबाध भव्यक्ति है। इससे बौद्धिक प्रयास, नात्मक गतिविधियों, कला, वर्षशास्त्र व साहित्य का क्रांतिकारी नास होगा। प्राचीन गुरुकुल व्यवस्था में वब-प्रकृति संबंध समुचित रूप से निरसित होते थे। सदा सतर्क तथा प्रसन्न दाय अपनी मूल बौद्धिकता के साथ वाचीय गतिविधियों के रचनात्मक क्षेत्रों खोज करता है। अल्बर्ट आइनस्टाइन ने या, 'मैं रोज़ सौ बार स्वर्य को याद नहाता हूँ कि मेरा आंतरिक व वाह्य बन अन्य जीवित व मृत मनुष्यों की देन और मुझे कुछ स्तर तक उसे देने को अस करना चाहिए जो मैंने प्राप्त किया है।' अब भी प्राप्त कर रहा हूँ।'

हम सभी जानते हैं कि इस ग्रह पर आरा अस्तित्व उस संवेदनशील रज्जु से है जो मानवजाति को प्रकृति से तथा आरी अपनी परंपराओं व ज्ञान की खोज आंतरिक व वाह्य रूप से जुड़ा है। या भर की शिक्षा व्यवस्था को नीतिगत

# भारत के पास जी-20 और एससीओ की अध्यक्षता

लेकिन यह भारत  
के लिए एक  
कठिन रास्ता है  
क्योंकि उसे रास्ते  
में बाधाएँ पैदा  
करने वाले चीन  
से निपटना  
होगा।

**कुमारदोप बनजा**  
(लेखक, नीति विश्लेषक  
हैं)



शं घाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्री की बैठक के लिए चीनी विदेश मंत्री किन गौंग इस सप्ताह भारत में थे। विदेश मंत्री के रूप में यह उनकी दूसरी भारत यात्रा है, मार्च में जी20 विदेश मंत्री की बैठक में भाग लेने वाली पहली यात्रा है। जैसा कि अपेक्षित था, चीन ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति पर जोर दिया, हालांकि भारतीय पक्ष ने मुखर रूप से असहमति जताई और सीमा की स्थिति सामान्य के करीब होने पर एक तीखी बात कही। यह याद किया जा सकता है कि चीनी रक्षा मंत्री ली शांगाफू एससीओ के रक्षा मंत्री की बैठक में भाग लेने के लिए पिछले सप्ताह नई दिल्ली में हुई चीन-भारत विद्युत



ନେଇ ଦଲ୍ଲା ମ ଥ, ଜହା ଉନ୍ହାନ ସାମ

की कहानी में सामान्य स्थिति को दोहराया था। हालाँकि, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कड़े संदेश में, सीमा की स्थिति, और चीन द्वारा मौजूदा संप्रभु समझौतों के एकत्रफा उल्लंघन को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के केंद्रीय टुकड़े के रूप में रखा। उन्होंने आगे जाकर द्विपक्षीय में किसी भी प्रकार की सामान्य स्थिति को बहाल करने के लिए महत्वपूर्ण मानदंड होने के लिए दोनों पक्षों की सेनाओं के विघटन का सुझाव दिया।

उनके चीनी समकक्ष ने भारत को दीर्घकालिक दृष्टिकोण लेने और समग्र द्विपक्षीय में एक उपयुक्त स्थान पर सीमा मुद्दे रखने का सुझाव देते हुए स्थिति को कम कर दिया। संदेश स्पष्ट था, भारत और चीन अपनी द्विपक्षीय यात्राओं में मीलों दूर चले गए हैं। चीनी राज्य के स्वामित्व वाली मीडिया ने ली शांगफू के बयान को स्थिर सीमा स्थिति बताया। भारतीय दर्शकों और शायद दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए, सच्चाई से परे कुछ भी नहीं हो सकता है। भारत और चीन के शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने सामरियों दो संस्कृति तकै तैयारी के तह-

चीन के दृष्टिकोण का एक तिरछा संदर्भ है। प्लेबुक चीन को निर्देशित करती है, और सप्रभु के अर्थिक, और भौगोलिक रिक्त स्थान, संदर्भ बिंदुओं को बदलते हुए और फिर बदले हुए चीनी सहूलियत बिंदु से राष्ट्रों के साथ बातचीत करके वृद्धिशील प्रगति करती है। भारत के साथ सीमा मुद्दों पर स्थिरता पर चीन की हालिया कहानी उसी प्लेबुक में फिट बैठती है।

हालांकि, भारत जो वर्ष के लिए एससीओ और जी20 की अध्यक्षता रखता है, सही संतुलन बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ रहा है। यह जानता है कि चीनी से संबंधित अधिकांश विवादों पर उसे अभी अमेरिका का समर्थन प्राप्त है, हालांकि, यह रूस के साथ मधुर संबंध बनाए रखना जारी रखता है, जिसे अब अंतर्राष्ट्रीय हलकों में चीन की छाया के रूप में देखा जा रहा है। आगे चीनी प्रीमियर जुलाई में एससीओ नेताओं की बैठक में भाग लेने के लिए भारत में होने की उम्मीद है और सितंबर में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए वापस आ सकते हैं। ये भारत के लिए चलने के लिए कठिन नहीं हैं।

## پاکستان میں اعلیٰ سانچے

## नशे की लत

समाजशास्त्रियों ने एक अध्ययन में खुलासा किया है कि अगले एक दशक में 10 से 18 वर्ष आयुवर्ग के किशोर बड़ी संख्या में नशे और ड्रग्स के आदी हो जाएंगे। नशे के इस घृणित व्यापार में आतंकवादी और पाकिस्तान जैसे दुश्मन सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। वे जब आतंकियों को पैसा नहीं भेज पाते हैं तो ड्रग्स की खेप भेज देते हैं जिसे बेचकर यह लोग आतंकवाद फैलाने के लिए धन एकत्र कर लेते हैं। इस तरह भारत पर दोहरा वार हो जाता है। युवा नशे की लत में पड़ते हैं और देश आतंकवादियों को भुगतना है। हमारे देश में ड्रग्स के खिलाफ बहुत ही सख्त नियम लागू हैं। इसके बावजूद इनका बढ़े ऐमाने पर व्यापार और पान की दुकानों तक इनकी उपलब्धता वर्तमान तंत्र की नाकामी को प्रकट करती है। ड्रग्स के आदी किशोर-युवकों की हालत यह है कि वह कहीं भी चोरी कर लेते हैं, बात-बात पर लड़ने-मरने को उतारू हो जाते हैं और ड्रग्स के एकज में कुछ भी अपराध करने को तैयार हो जाते हैं। सरकार के साथ-पाथ परिवार और धार्मात्मकों ने १०० लक्ष युवाओं के विकलाप परिवर्तन

## भराखारा के खिलाक साक्रिय

## सौंदर्य के मानक

लोगों के मन पर खूबसूरती संबंधी भ्रामक मानक हावी हो गए हैं। जरा सा भी बदलाव शरीर में आने से लोगों की हँसी-खुशी छिन जाती है। वैसे तो हर किसी को अपनी खूबसूरती पर नाज़ होता है और वो चाहता है कि सबसे अलग दिखे व अच्छा दिखे। लेकिन हम ये क्यों भूल जाते हैं कि उम्र के साथ-साथ शरीर में भी बदलाव आते हैं। अब यदि नौजवान जैसा चेहरा अगर आप बुढ़ापे में भी चाहते हैं, तब ये खाहिश नहीं पूरी हो सकती। सुंदरता के मानकों के पीछे फैशन उद्योग तथा कास्मेटिक सर्जनों आदि का बड़ा गाढ़ी कर्माई का पैसा सौंदर्य प्रसाधन- तथा शरीर को सुंदर बनाने के लिए सर्जरी तक पर खर्च करने को प्रेरित करता है। कुछ साल पहले तक गोरा बनाने वाली क्रीमों का धंधा बहुत तेजी से बढ़ रहा था, पर महिलाओं ने इस प्रकार के सौंदर्य मानकों का विरोध किया इसके परिणामस्वरूप आज अश्वेत व कम गोरी तथा बुद्ध व थोड़ी मोटी महिलाओं में भी आत्मविश्वास आया है और वे सौंदर्य के संकुचित मानकों का विरोध कर रही हैं। जनता तक यह जागरूकता फैलाने व उनमें विश्वास पैदा करने की जरूरत है।

कैपिटल हिल हिंसा

भारत ही नहीं एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार से सम्मानित महान कवि, दार्शनिक व साहित्यकार रवीन्द्र नाथ टैगोर ने द्वितीय विश्वयुद्ध के समय अंध-राष्ट्रवाद के लिये सही बात कही थी। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रवाद बुराई की एक कूर महामारी है जो वर्तमान युग की मानव दुनिया में व्यापक है। पूरी दुनिया में अंध-राष्ट्रवाद या अंध-राष्ट्रवाद लोगों को हिंसक बनाता है, उनसे हमले करवाता है तथा उनको दूसरे का दुश्मन बनाता है। इसी के कारण दुनिया के सबसे पुराने माने जाने वाले लोकतंत्र अपरिका के कैपिटल हिल में तोड़फोड़ डुई थी जो उस देश के लिए भयावह घटना थी। आखिरकार प्राउड बॉयज नामक उग्र राष्ट्रवादी गुट के 5 सदस्यों को आगजनी फैलाने व तोड़फोड़ का दोषी पाया गया है। इन्हें आजीवन जेल में ही रहना पड़ेगा। आशा करती चाहिए कि कैपिटल हिल हिंसा के अन्य दोषियों को भी सजा मिलेगी। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को इस घटना का जिम्मेदार माना जाता है। देखना होगा कि क्या अमेरिकी अदालतें अपने पूर्व-राष्ट्रपति को भी सजा देंगी?

के कैपिटल - जंगबहादुर सिंह, जमशेदपुर











